पीतल के दीपक, तांबे की वोतलों समेत अन्य सजावट का सामान खूब विका

महाकुंभ में भीड़ से मुरादाबादी कारोबारियों की भरी झोली

प्रयागराज संगम तट पर महाकुंभ में श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। 13 जनवरी से शुरू हुए महाकुंभ में भक्तों का सैलाब उमड़ा। 34 दिन में पीतल से बने मुरादाबादी दीपक और केरल दीप समेत 51 मुखी दीपक बनाने वाले कारोबारी अब तक करीब 32 करोड़ रुपये के करीब आर्डर पूरे कर चुके हैं। वहीं तांबे की पानी की वोतलें और अन्य उत्पाद की भी खूब विकी हुई है। अभी 10 दिन और महाकुंभ के बाकी हैं। 26 फरवरी को महाकुंभ में अंतिम स्नान महाशिवरात्रि को होगा। 10 दिन में और सात से आठ करोड़ रुपये का कारोबार होने की उम्मीद जताई जा रही है। मुरादाबाद के देसी कारोबार करने वाले व्यापारियों में उत्साह है। यहां से चित्रकूट के व्यापारियों के आर्डर पूरे किए जा रहे हैं। महाकुंभ में अधिकतर स्थानीय कारोबारियों के रटाल लगे हैं। भक्तों को अलग-अलग प्रकार के दीपक पसंद आ रहे हैं। वहीं ट्रेवल एजेंसियों के साथ ही प्राइवेट वाहनों की भी खूब बुकिंग रही। मुहल्लेवार लोग आस्था की डुबकी लगाने के लिए वसों भी लेकर गए।

मंडी चौक में होलसेल की दुकान में रखे दीपक ● जागरण

पूरे देश में बिखरी मुरादाबादी पीतल की चमक

प्रयागराज महाकुंभ में देशभर से बड़ी संख्या में भक्तों ने आस्था की डुबकी लगाई। इसके साथ ही महाकुंभ की निशानी के तौर पर मुरादाबादी दीपक, सबसे खास केरला दीप, कुबेर दीप, लक्ष्मी लक्ष्मी, पंचदीप, देवदास दीप, पारो दीप, लक्ष्मी दीप, स्वास्तिक दीप, गंगादीप, कछुआ दीप, रिंग दीप, गोल्ची दीप, पान दीप, महाभारत दीप आदि की मांग हुई है। प्रयागराज में दीपकों के लिए चित्रकूट की दीपक होलसेल मंडी से मुरादाबाद के होलसेलर्स को करीब 20 करोड़ रुपये के आर्डर मिले हैं। होलसेलर्स ने माल तैयार कर भेजना शुरू कर दिया है।

- दूसरों राज्यों से आने वाले श्रद्धालुओं ने की प्रयागराज के रटाल से खरीदारी

ढलाई-छिलाई कारीगरों को भी मिला भरपूर काम

कटघर छोटी मंडी, लालबाग, नवाबपुरा, दौलतबाग, कच्चा बाग समेत अन्य क्षेत्रों में देसी काम करने वाले ढलाई, छिलाई और पालिश के कारीगरों के पास खूब काम रहा। छिलाई कारीगर समीर आलम ने बताया कि वह दीपक और सिंदूरदान की छिलाई करते हैं। महाकुंभ शुरू होने से पहले ही लगातार काम शुरू हो गया था। देर रात तक काम किया गया। अलग मजदूरी हुई। पांच दिन पहले से काम कुछ कम हुआ है। दुकानदारों ने अपने स्टाक के लिए माल बनवाना शुरू कर दिया है।

हल्के और भारी वजन के दीपक के अलग-अलग दाम

होलसेल बाजार में भारी वजन के दीपक 850 रुपये प्रति किलो और हलके वजन के दीपक 1000 रुपये प्रति किलो के हिसाब से है। बाजार में 10 ग्राम से लेकर 10 किलो तक के दीपक उपलब्ध हैं। फिनिशिंग वाले दीपक प्रति पीस के हिसाब से दिए जाते हैं। दुकानदारों के अनुसार बर्तन बाजार में दीपक की होलसेल मार्केट से दूसरे जनपदों को भी दीपक होलसेल रेट पर दिए जाते हैं। यहां के दुकानदार भी अपना मार्जन लगाने के बाद आपूर्ति करते हैं।

ट्रैवल एजेंसियों ने अब तक कमाए पांच करोड़ रुपये

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद : मुरादाबाद की ट्रेवल एजेंसियों के संचालकों पर भी महाकुंभ की व्यवस्था कराने पर खूब नोटों की बारिश हुई। प्रयागराज में एक टेंट में एक लाख रुपये तक का पैकेज हो गया था। भीड़ बढ़ने के बाद स्थिति यह हो गई थी कि वहां स्नान और अन्य व्यवस्थाओं के लिए डेढ़ लाख रुपये तक का पैकेज हो गया। ट्रेवल एजेंसियों ने लोगों का लखनऊ में रात का स्टे कराया और सुबह में प्रयागराज के लिए प्रस्थान कराया। जिसमें स्नान के बाद फिर वापस लखनऊ होटल में व्यवस्था की गई थी। 26 फरवरी महाशिवरात्री के लिए भी बुकिंग हो चुकी है। ट्रेवल एजेंटों के अनुसार फिलहाल कोई रेट फिक्स नहीं हैं। शुरुआत में वीआइपी बुकिंग के एक दिन के लिए 15 हजार रुपये और दो दिन के लिए 30 हजार रुपये तय हुए थे। वहां भीड़ बढ़ने के बाद एक लाख रुपये तक का पैकेज हो गया। हर दिन दाम बढ़ रहे थे। इसमें प्रति व्यक्ति को सुबह का नाश्ता और रात का खाना दिया गया। प्रयागराज में स्नान करने के लिए जाने वाले भक्तों की सुविधा का पूरा इंतजाम किया गया था।

> ट्रेवल का काम अच्छा रहा है। महाकुंभ में जाने वाले लोगों के लिए पैकेज बुक हुए थे। दिन विशेष के हिसाब से अलग-अलग पैकेज रहे। भीड़ अधिक होने की स्थिति में लखनऊ में रटे कराने के बाद स्नान के लिए भेजे गए हैं।
>
> **गौरव कुमार**, ईम ट्रेवल एंड टूर्स
>
> यहां से पैकेज बुक किये गए हैं। महाकुंभ के लिए लगातार बुकिंग रही। 26 फरवरी महाशिवरात्रि के लिए भी शहर से काफी बुकिंग है। सभी ट्रेवल एजेंटों के पास ठीक बुकिंग रही। रहने और अन्य सभी व्यवस्थाओं का पूरा इंतजाम कराया जा रहा है।
>
> **विवेक अग्रवाल**, अनमोल ट्रैवल्स